अनुदान संख्या 91 - इस्पात मंत्रालय
GRANT No. 91–MINISTRY OF STEEL

			कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
				(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)	
राजस्व:	**Revenue:**				
स्वीकृत-	Voted–				
मूल	Original	115,01,00			
			843,70,00	808,03,51	–35,66,49
पूरक	Supplementary	728,69,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				35,31,75
पूंजीगत:	**Capital:**				
स्वीकृत-	Voted–				
मूल	Original	8,00,00			
			8,01,00	3,00,00	–5,01,00
पूरक	Supplementary	1,00			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	Amount surrendered during the year				5,00,00

टीका और टिप्पणियां

1. अनुदान के राजस्व भाग में बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

Notes and comments

1. In the revenue section of the grant, savings occurred under the following major heads:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष Head					
मुख्य शीर्ष "3451" Major Head "3451"					
सचिवालय - आर्थिक सेवाएं Secretariat - Economic Services					
मू.	O.	1971.00			
			1890.22	1863.23	–26.99
पु.	R.	–80.78			
मुख्य शीर्ष "2852" Major Head "2852"					
उद्योग Industries					
मू.	O.	9530.00			
पू.	S.	72869.00	78948.03	78940.28	–7.75
पु.	R.	–3450.97			

(I) मुख्य शीर्ष "3451'' - "सचिवालय - इस्पात मंत्रालय'' के अंतर्गत 107.77 लाख रु. की बचत (1971.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) किफायती उपायों के कारण हुई।

(I) Under Major Head "3451" – "Secretariat – Ministry of Steel" – saving of Rs.107.77 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.1971.00 lakhs) was due to economy measures.

(II) मुख्य शीर्ष "2852'' के अंतर्गत बचतें निम्नलिखित शीर्षों के अंतर्गत हुईं:-

(II) Under Major Head "2852" – savings occurred under the following heads:-

(का) "लौह एवं इस्पात उद्योग - विनिर्माण - हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम को लागू करने के लिए बैंकों से लिए गए कर्जों पर ब्याज की अदायगी के लिए आर्थिक सहायता'' - 1253.39 लाख रु. की बचत (5548.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) बैंकों द्वारा ब्याज दर में कमी किए जाने के कारण हुई।

(A) "Iron and Steel Industries – Manufacture - Subsidy to Hindustan Steelworks Construction Limited for payment of Interest on loans raised from banks for implementation of Voluntary Retirement Scheme"– saving of Rs.1253.39 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.5548.00 lakhs) was due to reduction of interest rate by banks.

(खा) "सामान्य - अन्य व्यय - लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के संवर्धन के लिए स्कीम'' - 2186.50 लाख रु. की बचत (2600.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कुछ परियोजनाओं को परियोजना अनुमोदन और निगरानी समिति से अनुमोदन प्राप्त न होने के कारण हुई।

(B) "General – Other Expenditure - Scheme for promotion of Research and Development in Iron and Steel Sector" – saving Rs.2186.50 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.2600.00 lakhs) was due to non-receipt of approval of some projects from projects approval and monitoring committee (PAMC).

2. अनुदान के पूंजीगत भाग में, बचतें निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुईं:-

2. In the capital section of the grant, savings occurred under the following major head:-

(लाख रुपयों में)
(In lakhs of rupees)

शीर्ष	Head		कुल अनुदान Total grant	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत- Saving–
मुख्य शीर्ष "6852'' लौह तथा इस्पात उद्योगों के लिए कर्ज	Major Head "6852" Loans for Iron and Steel Industries				
मू.	O.	800.00	300.00	300.00	. .
पु.	R.	–500.00			

(I) 101.00 लाख रु. का प्रावधान (दिसंबर, 2009 में प्राप्त किए गए 1.00 लाख रु. के सांकेतिक पूरक अनुदान सहित) दो शीर्षों के अंतर्गत पूर्णतया अप्रयुक्त रहा।

(II) ''विनिर्माण - सार्वजनिक क्षेत्र के और अन्य उपक्रमों को कर्ज - हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड'' के अंतर्गत 400.00 लाख रु. की बचत (700.00 लाख रु. के स्वीकृत प्रावधान की तुलना में) कंपनी का पुनर्गठन संबंधी प्रस्ताव विचाराधीन होने के कारण हुई।

(I) Provision of Rs.101.00 lakhs (including token supplementary grant of Rs.1.00 lakh obtained in December, 2009) remained wholly unutilised under two heads.

(II) Under "Manufacture - Loans to Public Sector and Other undertakings - Hindustan Steelworks Construction Limited" –saving of Rs.400.00 lakhs (against the sanctioned provision of Rs.700.00 lakhs) was due to restructuring proposal for the company being under consideration.